Memorandum of Understanding

Between

State Drug Manufacturing Association

Lucknow, Uttar Pradesh

And

University of Lucknow

Lucknow - 226 007, Uttar Pradesh

On

21st February, 2022

Memorandum of Understanding (MoU)

Between

State Drug Manufacturing Association, Lucknow

And

Institute of Pharmaceutical Sciences, University of Lucknow, Lucknow

MoU for Academic and Industrial Cooperation

Purpose

The purpose of this agreement is to promote cooperation in pharmaceutical education and scientific research between State Drug Manufacturing Association, Lucknow, U.P., India and the Institute of Pharmaceutical Sciences, University of Lucknow, Second Campus, Jankipuram Extension, Lucknow, U.P. India.

Type of Cooperation

Through this memorandum, both parties affirm the value of International / National collaboration and agree to promote the following activities:

1. Mutual cooperation towards the advancement of knowledge of the employees, faculty and students of both the institutions
2. Joint research projects in the field of mutual interests;
3. Opportunities for students, faculty, and; staff development and recharge;
4. Exchange of undergraduate students for advanced incubation cum training programs, summer/ winter internships;
5. Industrial Training and Placement of undergraduate students;
6. Include collaboration in setting up and upkeep of the relevant Infrastructure in both the organization and other activities as mutually agreed.

This agreement places no financial obligations or supplementary funding commitments on either party.

Terms

This agreement will become effective upon the date of signature by both parties. It shall remain valid for 3 years from the date of the signature, with the understanding that it may be modified by written mutual consent of both parties. This Agreement may be terminated by either party with the advance written notice of at least 30 days. Upon notice of termination both State Drug Manufacturing Association, Lucknow, and Institute of Pharmaceutical Sciences, University of Lucknow agrees to work in good faith to enable visiting students to complete their respective training/ research programs unhindered by the termination, The Agreement may be extended by mutual consentof the two parties after the 3 years, and it must be renewed in written.

This Memorandum of Understanding is hereby signed in two (2) copies with one (1) copy remaining in the possession of each organization.

SIGNATORIES

For and on behalf of
State Drug Manufacturing Association, Lucknow

Mr. Veer Anjani Kumar Saxena
Patron,
State Drug Manufacturing Association, Lucknow

Secretary,
State Drug Manufacturing Association, Lucknow

For and on behalf of
University of Lucknow, Lucknow

Prof. Alok Kumar Rai
Hon'ble Vice-Chancellor,
University of Lucknow, Lucknow

21.2.2022

Prof. Pushpendra Kumar Tripathi
Director
Institute of Pharmaceutical Sciences,
University of Lucknow, Lucknow

A Glimpse of Memorandum of Understanding Between

State Drug Manufacturing Association

Lucknow, Uttar Pradesh

And

University of Lucknow

Lucknow - 226 007, Uttar Pradesh

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

मिलेंगे शोध, रोजगार और इंटर्नशिप के बेहतर अवसर

लविवि ने सीबीएमआर व एसडीएमए के साथ किया एमओयू, बीफार्मा के विद्यार्थियों-शिक्षकों के लिए फायदेमंद साबित होगा

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को शोध, रोजगार और इंटर्नशिप के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। इसके लिए विवि प्रशासन ने सोमवार को जैव चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (सीबीएमआर) व स्टेट ड्रग मेन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन (एसडीएमए) से अलग-अलग एमओयू किया। जो विद्यार्थियों के लिए काफी फायदेमंद होगा।

विवि के मंथन सभागार में सीबीएमआर व इंस्टीट्यूट आर्फ फामास्युटिकल सांइसेज के बीच औषधि अनुसंधान विकास के सहयोग के लिए एमओयू किया गया। जिस पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व प्रो. आलोक कुमार धवन निदेशक सीबीएमआर, प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी निदेशक इंस्टीट्यूट आर्फ फामास्युटिकल सांइसेज ने हस्ताक्षर किया।

इस एमओयू के अनुसार कोविड महामारी पर जैव चिकित्सा अनुसंधान के लिए संयुक्त शोध प्रोजेक्ट, औषधि विज्ञान के क्षेत्र में एकेडमिक पब्लिकेशन, छात्रों व शिक्षकों के लिए न्यू एजुकेशन पालिसी के अनुसार शोध के अवसर, एडवांस इंक्यूबेशन के साथ प्रशिक्षण प्रोग्राम व इंटर्नशिप का अवसर मिलेगा।

प्रो. आलोक धवन ने बताया कि सीबीएमआर देश का इकलौता जैव चिकित्सीय अनुसंधान संस्थान है जो कि जैव चिकित्सीय अनुसंधान के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएं हैं। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन, प्रो. राकेश चंद्रा डीन एकेडमिक उपस्थित थे। दूसरी तरफ विवि के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल सांइसेज ने एसडीएमए के साथ भी एमओयू किया। जो फार्मेसी के विद्यार्थियों को औषधि अनुसंधान विकास व छात्रों के तकनीकी प्रशिक्षण, रोजगार में सहयोग करेगा। एमओयू पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व वीर अंजनी कुमार सक्सेना, प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने हस्ताक्षर किया। एमओयू के अनुसार छात्रों को औद्योगिक तकनीकी प्रशिक्षण व रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे। शिक्षकों के सहयोग से फार्मास्युटिकल औद्योगिक शोध व समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। वीर अंजनी कुमार सक्सेना ने बताया कि इससे लखनऊ विवि से पास होने वाले सभी छात्रों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। इस अवसर पर रविंद्र सिंह लघु भारतीय उद्योग भी उपस्थित रहें।

लविवि ने एसडीएमए के साथ किया एमओयू। -संवाद

शैक्षिक आदान-प्रदान के लिए किया एमओयू

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय और लखनऊ विश्वविद्यालय ने सोमवार को एक शैक्षणिक एमओयू साइन किया। एमओयू पर लविवि के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह व भाषा विवि के रजिस्ट्रार संजय मल्ल ने हस्ताक्षर किए। इस एमओयू का उद्देश्य शोध और शैक्षिक कार्यक्रमों पर सूचनाओं का आदान-प्रदान करना है।

लविवि व भाषा विवि के बीच हुआ एमओयू

साथ ही शिक्षण, शिक्षण सामग्री व अन्य साहित्यिक सूचनाओं का आदान-प्रदान, पारस्परिक हित के विषयों पर संयुक्त रूप से शिक्षा कार्यक्रम आयोजित करना, आपसी हित के विषयों पर संगोष्ठी, सम्मेलन व कार्यशालाओं का संयुक्त रूप से आयोजन, फंडिंग एजेंसियों द्वारा प्रायोजित शोध या प्रशिक्षण कार्यक्रमों को संयुक्त रूप से प्रस्तावित करना शामिल है। शिक्षा और अनुसंधान के उद्देश्य से सीमित अवधि के लिए स्नातक, परास्नातक और शोध के छात्रों को अवसरों का आदान-प्रदान करना है। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 8

दवाओं के रिसर्च में संभावनाएं बढ़ीं

लखनऊ। इंस्टीट्यूट फार्मास्युटिकल सांइसेज, लखनऊ विश्वविद्यालय और स्टेट ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन लखनऊ के बीच सोमवार को एक एमओयू साइन किया गया। इसके तहत लखनऊ विश्वविद्यालय के फार्मेसी के छात्र-छात्राओं को ड्रग रिसर्च के क्षेत्र में बेहतर मौके मिलेंगे। एलयू के प्रशासनिक भवन स्थित मंथन सभागार में एलयू कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, वीरअंजनी सक्सेना, संरक्षक, स्टेट ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन लखनऊ, प्रो. पुष्पेन्द्र त्रिपाठी निदेशक, इन्स्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल सांइसेज ने हस्ताक्षर किए।